मुद्रण पृष्ठों की संख्या : 4

BEYE–022

बी.एस-सी. (अनुप्रयुक्त विज्ञान ऊर्जा)

(बी.एस-सी.ए.ई.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.ई.वाई.ई.-022 : संस्कृत भाषा और सम्प्रेषण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* ***दो*** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।* ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर किसी एक भाषा (हिन्दी/संस्कृत/अंग्रेजी) में ही देना अनिवार्य है।*

खण्ड—क

(व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए : 10

माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा।
मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात्॥

अथवा

अथ तेन व्याधेन तण्डुलकणान् विकीर्य जालं विस्तीर्णम्। स च प्रच्छन्नो भूत्वा स्थितः। तस्मिन्नेव काले चित्रग्रीवा नामा कपोतराजः सपरिवारो वियति विसर्पन् तान् तण्डुलकणान् अवलोकयामास। ततः कपोतराजः कपोताम् प्रत्याह—'कुतोऽत्र निर्जने वने तण्डुलकणानां सम्भवः।'

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 20

(i) तृतीय वर के समय हुए यम और नचिकेता के संवाद को अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) शुकनास द्वारा दिए गए गुरु उपदेश का आधुनिक सन्दर्भ में महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

(iii) आयुर्वेद की परिभाषा देते हुए चरक संहिता के अनुसार स्वस्थवृत्त का वर्णन कीजिए।

खण्ड —ख

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$4 \times 10 = 40$

(i) निम्नलिखित वर्णों का उच्चारण स्थान तथा संस्कृत वर्णमाला के स्वर वर्णों को लिखिए :

अ, क, च, श, ह

(ii) लकार तथा काल में क्या सम्बन्ध है ? स्पष्ट कीजिए।

(iii) कारक किसे कहते हैं ? व्याख्या कीजिए।

(iv) निम्नलिखित पदों में सन्धि कीजिए :

(क) यदि + अस्ति

(ख) तव + एव

(ग) ने + अन

(घ) जगत् + नाथ

(ङ) नरः + गच्छति

(v) रिक्त स्थानों की पूति कीजिए :

(क) ..... तस्मै पुस्तकं दास्यामि। (सः/त्वं/अहं)

(ख) त्वं कुत्र ..... ? (गच्छति/गच्छसि/गच्छामि)

(ग) ..... क्रीडिष्यथ। (त्वं/यूयम्/वयम्)

(घ) ..... हसावः। (ते/वयम्/आवाम्)

(ङ) ..... अपठत्। (रामः/त्वम्/अहम्)

(vi) निम्नलिखित पदों में समास कीजिए :

(क) घन इव श्यामः =

(ख) रामः च कृष्णः च =

(vii) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध लिखिए :

पंच, पंक, पंत, कंट, पंप

× × × × ×